Hindi Literature
Paper-II

Time Allowed: Three Hours **Maximum Marks: 300**

Note: 1. *Candidate should answer questions No. **1** and **5** which are compulsory and any **three** of the remaining questions, selecting at least **one** from each section.*

2. *Answers must be written in Hindi.*

SECTION – A

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए एवं काव्यगत विशेषताएँ भी स्पष्ट कीजिए। 20×3=60

(क) चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए
विपत्ति, विहिन जो पड़े उन्हें ढ़केलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पथ के सतर्क पंथ हो सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(ख) हरि काहे के अंतर्यामी?
जौ हरि मिलत तही यहि औसर, अवधि बतावत लामी।।
अपनी चोप जाय उठि और निरस बेकामी।
सो कह पीर पराई जानै जो हरि गरूडागामी।
आई उधरि प्रीति कलई सी जैसै खाटी आमी।।
सूर इते पर अनख मरति है, ऊधो पीवत मामी।।

(ग) बैष्णों की छपरी भली न साकत को गाँव।
बैष्णों भया तो क्या भया जाना नहीं बमेक।
छापा तिलक लगाई के दह्या लोक अनेक।।

(घ) हे धनियों क्या दीन जनों की नहिं सुनते हो हाहाकार,
जिसका मरे पड़ोसी भूखा उसके भोजन को धिक्कार।
हे बाबा जो यह बेचारे भूखो प्राण गवाएँगें,
तब कहिए क्या धनी गलाकर अशर्फियाँ जी जाएँगे।

2. (क) बिहारी के काव्य में चित्रित 'प्रेम एवं सौन्दर्य' का वर्णन कीजिए। 30

(ख) 'कबीर की भाषा सधुक्कड़ी थी'। इस कथन पर प्रकाश डालिए। 30

3. (क) खड़ी बोली एवं देवनागरी लिपि का विकास। 30

(ख) कुरूक्षेत्र में चिन्हित युद्ध एवं शांति की समस्या पर विचार कीजिए। 30

4. (क) नई कविता के आत्मसंघर्ष का सर्वोत्तम रूप मुक्तिबोध की कविताओं में मिलता है। विवेचना कीजिए। 30

(ख) रामभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 30

SECTION – B

5. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: 20×3=60

(क) अब हमने आप में सच्चा पथ-प्रदर्शक, सच्चा गुरू पाया है। और इस शुभ दिन के आनन्द में आज हमें एकमन एकप्राण होकर अपने अंहकार को, अपने दम्भ को तिलांजलि दे देना चाहिए। हममें से आज से कोई ब्राह्मण नहीं है, कोई शूद्र नहीं है, कोई हिन्दू नहीं है, कोई मुसलमान नहीं है, कोई ऊँच नहीं है, कोई नीच नहीं है।

(ख) जिसे संसार दु:ख कहता है, वही कवि के लिए सुख है। धन और ऐश्वर्य, रूप और बल, विद्या और बुद्धि, यह विभूतियाँ संसार को चाहे कितना ही मोहित कर लें, कवि के लिए यहाँ जरा भी आकर्षण नहीं है, उसके मोद और आकर्षण की वस्तु तो बुझी हुई आशाएँ और मिटी हुई स्मृतियाँ और टूटे हुए हृदय के आँसू हैं। जिस दिन इन विभूतियों में उसका प्रेम न रहेगा, उस दिन वह कवि न रहेगा।

(ग) सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो। मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है, जो भावना को कविता का रूप देता है। क्यों कोई पर्वत शिखरों को सहलाती हुई मेघमालाओं में खो जाता है।

6. (क) भारत दुर्दशा में तत्कालीन समाज के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 30

(ख) 'गोदान' एक समूचे युग की व्यथा कथा है। इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 30

7. (क) 'एक दुनिया समानान्तर' की किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए। 30

(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के द्वारा प्रस्तुत श्रद्धा और भक्ति में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 30

8. (क) जयशंकर प्रसाद और राकेश मोहन के नाटकों का तुलनात्मक विवेचन कीजिए। 30

(ख) 'महाभोज' में राजनीति और अपराध के आपसी सम्बन्धों पर विचार कीजिए। 30